ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 113-114

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का बदलता स्वरुप (राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिदृश्य में)

डॉ0 अर्पिता सिंह

असि0प्रोफेसर– शिक्षाविभाग (बी0एड0), प्रो0एच0एन0मिश्रा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कानपुर (उ0प्र0) भारत

Received-27.07.2022, Revised-03.08.2022, Accepted-06.08.2022 **E-mail: arpita.s.ind@gmail.com**

सारांश:– *अगले वर्ष से देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप एक गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा का पाठ्यक्रम लागू करने की घोषणा की गई है। इसलिये NCTE के समक्ष महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वह एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा का पाठ्यक्रम देश के समक्ष प्रस्तुत करें।*

यदि शिक्षक शिक्षा के इतिहास को दृष्टिगत करें तो प्राचीन वैदिक कालीन शिक्षा में जहाँ किसी शिक्षकों हेतु औपचारिक प्रशिक्षण व शिक्षा से सम्बन्धित व्यवस्था नहीं थी लेकिन गुरु शिष्य सम्बन्ध पिता–पुत्र तुल्य होते हुये शिक्षण कौशल को सीखने के लिये जिन पद्धतियों को अभ्यास में लाया गया उसे हम वर्तमान व्यवस्था में मेन्टरिंग मॉडल के रूप में देख सकेंगे। इसी युग के अंत तक आते–आते शिक्षकों को तैयार करते समय वैदिक साहित्य से अधिक समावेशी पाठ्यक्रम ने स्थान ले लिया और अध्यापक शिक्षा का यह मॉडल मध्यकाल तक प्रचलित रहा। ब्रिटिश काल में इस में कुछ परिवर्तन किये गये जिसमें 1854 के वुड के घोषणा पत्र का विशेष योगदान रहा जिसमें शिक्षकों को तैयार करने के लिये एक औपचारिक व्यवस्था की शुरूआत हुई। इसके सुझावों के तहत देश के कई विश्वविद्यालयों में शिक्षा विभागों की स्थापना की गई। स्वतंत्रता उपरान्त भारत में विभिन्न शिक्षा आयोगों, समितियों के सुझावों के जरिये अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हुये। इसमें 1964–66 के कोठारी आयोग का विशेष योगदान रहा जिसने सेवाकालीन शिक्षा के दौरान व्यापक इंटर्नशिप कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया। वर्तमान में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इस बात पर बल देती है कि हमारे छात्राओं और हमारे राष्ट्र के लिये सर्वोत्तम सम्भव भविष्य सुनिश्चित करने के लिये शिक्षकों के प्रेरणा और सशक्तिकरण की आवश्यकता है। NEP 2020 में तीन शीर्षकों के अन्तर्गत (1) शिक्षक (2) शिक्षक शिक्षा का दृष्टिकोण (3) शिक्षक शिक्षा इसके विषय में सुझाव दिये गये है। इसमें शिक्षक शिक्षा (बी0एड0 प्रशिक्षण) प्रक्रिया में कुछ बदलाव किये गये है। पहला बदलाव बी0एड0 प्रशिक्षण प्रक्रिया का 4 वर्षीय एकीकृत बी0एड0 कार्यक्रम डुअलमोड जिसमें बी0एड0 के साथ एक विशेष विषय में स्नातक की डिग्री भी मिलेगी। द्विवर्षीय बी0एड0 में स्नातक उत्तीर्ण प्रवेश ले सकेंगे। 1 वर्षीय बी0एड0 जिसमें 4 वर्ष की स्नातक डिग्री प्राप्त विद्यार्थी प्रवेश के ले सकेंगे। यह कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से भी संचालित होगा। दूसरा बड़े बदलाव में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं की प्रकृति से है। यह कार्यक्रम केवल बहुविषयक संस्थाओं में ही संचालित होगा।

कुंजीभूत शब्द– प्राचीन वैदिक कालीन शिक्षा, औपचारिक प्रशिक्षण, गुरु शिष्य सम्बन्ध, शिक्षण कौशल, अभ्यास, वर्तमान।

शिक्षक भर्ती प्रक्रिया–वर्तमान में माध्यमिक विद्यालयों तक शिक्षकों की भर्ती हेतु पेशेवर डिग्री और टी0ई0टी0 उत्तीर्ण होना ही अनिवार्य है। NEP 2020 टी0ई0टी0 को विभिन्न तरह से मजबूत करने तथा विषय ज्ञान और शिक्षण दक्षता की प्रस्तुतियों एवंसाक्षात्कारों से आंकने का सुझाव देती है। इसके द्वारा स्थानीय भाषा में शिक्षण में सहजता एवं निपुणता का भी आंकलन हो सकेगा। नीति का उद्देश्य कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था अपना कर तथा राज्यों को विषयों के अनुसार रिक्तियाँ तय करने के लिये योजना बनाने और पूर्वानुमान लगाने में प्रौद्यौगिकी की मदद लेने का सुझाव देकर शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

वर्तमान में शिक्षक शिक्षा में कई तरह की खामियाँ व्याप्त हैं जिसमें सर्वप्रथम शिक्षक शिक्षा का पाठ्यक्रम है जो कठोर और परम्परागत है तथा व्यावहारिक पक्ष पर अपेक्षाकृत कम बल देता है। शिक्षक शिक्षाभर्ती की प्रक्रियाओं के चलते शिक्षण प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित व कौशलपूर्ण तरीके से चलाने वाले सक्षम शिक्षकों की कमी है। इसके साथ ही 2030 तक सभी को विद्यालय तक पहुँचाने के ध्येय के आगे शिक्षकों की कमी भी एक चुनौती है। सामान्यतः विशेष रूप से कला, शारीरिक, व्यावसायिक शिक्षा, सलाहकारों तथा तकनीकी कर्मचारियों के मामले में यह समस्या प्रबल है। शिक्षकों की कमी से निपटने के लिये नीति के अन्तर्गत स्कूल परिसर में स्थानीय विशेषज्ञों को नियुक्त करने तथा राज्य या केन्द्र शासित विशेषज्ञों को नियुक्त करने तथा राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा अपना ये गये स्कूलों के क्लस्टर में उनकी सेवायें लेने, विचार को भी बढ़ावा मिला है। सुदूर व दुर्गम इलाकों में तैनाती हेतु विद्यालय परिसर या निकट आवास की व्यवस्था या आवासीय व्यवस्था बढ़ाने के प्रावधान के जरिये शिक्षण कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन देने की अनुशंसा करती है।

NEP 2020 में कहा गया है कि शिक्षकों को अपनी दक्षता में सुधारकर ने एवं अपने काम में नवीनतम तकनीकों और विधियों के बारे में सीखने के अवसर निरन्तर दिये जायेंगे। यह अवसर, स्थानीय क्षेत्रीय, प्रादेशिक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

कार्यशालाओं के साथ–2 आनलाइन शिक्षक विकास सहित विभिन्न माध्यमों से दिये जायेंगे। प्रत्येक शिक्षक से यह अपेक्षा की जायेगी कि वह अपनी रुचि के अनुसार निरन्तर व्यावसायिक दक्षता सुधारने के लिये कम से कम 50 घंटे के सी0पी0डी0 कार्यक्रमों में भाग ले। समाज में मौजूद विविधता तथा सामाजिक–आर्थिक स्तरों की भिन्नता को देखते हुये शिक्षकों के मांग अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षण मांग के अनुरूप/आवश्यकता–अनुरूप, निरन्तर, व्यावहारिक तथा प्रयोग केन्द्रित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त यह नीति शिक्षकों के लिये राष्ट्रीय पेशेवर मानक (NPST) विकसित करने की ओर भी ध्यान दे रही हैं। इसे 2022 तक तय करने की योजना है। बदलते राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों और सामाजिक आवश्यकताओं के आलोक में सरकार ने सभी स्तरों पर उत्साही शिक्षकों को सुनिश्चित करने के लिये नियमावली का मसौदा तैयार किया है, नियमित कौशल उन्नयन का सुझाव दिया है जिसमें उत्साही शिक्षकों की योग्यता और क्षमताओं का समुचित उपयोग करके शिक्षा को पुनर्जीवित करने की अनिवार्य आवश्यकता है। कई आयामों को दृष्टिगत करते हुये NEP बहुत ही आशा जनक लग रही है। शिक्षकों को दायरे से बाहर सोचकर ऊँचे शिखर छूने में मदद कर सकती है तथा बच्चों को अपनी क्षमता पहचानने में सहायता दे सकती है।

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के प्रमुख क्षेत्रों में से एक सरकारी और निजी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान एंव विकास निवेश को प्रोत्साहित करना है। इससे इनोवेशन और इनोवेटिव माइंड सेट को बढावा मिलेगा। इसे सुगम बनाने के लिए उद्योग आध ारित कौशल अपस्किलिंग के लिए एक मजबूत उद्योग प्रतिबद्धता और शिक्षा जगत के साथ घनिष्ठ हस्तक्षेप की आवश्यकता है। इसके अलावा ''बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)'' के बारे ज्ञान बढ़ाने और इससे लाभ प्रदान करने के लिए इसके संरक्षण के लिए कौशल को विकसित करना प्रासंगिक हो जाता है।

उपसंहार– अंत में सम्पूर्ण प्रपत्र के अध्ययन करने के पश्चात् यह कहा जा सकता है कि नईशिक्षानीति 2020 के अनुसारशिक्षारटनेवालेविषयों, समय सीमा को पूरा करने और अंक प्राप्त करने से कहीं अधिक है, लेकिन शिक्षा का वास्तविक अर्थ ज्ञान, कौशल, मूल्यो को प्राप्त करना और उस क्षेत्र में निरन्तर कार्य करना और प्रगति करना है, जिसमें व्यक्ति अपनी रुचि खोज की करता है।इसमें कोई सन्देह नहीं कि अगर नई शिक्षा नीति 2020 को सही तरीके से लागू किया जाए तो यह भारतीय शिक्षा को नई ऊँचाईयों पर ले जा सकती है। हालाँकि इसके कुछ उद्देश्यों में लक्ष्यों की स्पष्टता का अभाव है, लेकिन हम वास्तव में इसका न्याय तब तक नहीं कर सकते जब तक कि इसकी लिखित योजनाएँ क्रिया में न आजाएँ। हम केवल सर्वोत्तम परिणामों की आशा कर सकते है, आखिरकार, यह छात्रों के समग्र विकास और प्रगति को ध्यान में रखते हुए लाई गयी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. https://www.education.gov.in/sites/upload.files/mhrd/files/NEP Final English 0.pdf.
2. https://en.wikipedia.org/wiki/National Education Policy 2020.
3. Puri, Natasha (30 August 2019). A Review of the National Education Policy of the Government of India-The Need for Data and Dynamism in the 21st Century. SSRN.
4. Vedhathiri, Thanikachalam (January 2020), "Critical Assessment of Draft Indian National Education Policy 2019 with Respect to National Institutes of Technical Teachers Training and Research". Journal of Engi neering Education. 33.
5. Aithal, P.S.; Aithal, Shubhrajyotsna (2019). "Analysis of Higher Education in Indian National Education Policy Proposal 2019 and Its Implementation Challenges". International Journal of Applied Engineering and Management Letters. 3(2): 1-35, SSRN 3417517.
6. Nandini, ed. (29 July 2020). "New Education Policy 2020 Highlights: School and higher education to see major changes". Hindustan Times.
7. Jebaraj, P:riscilla (2 August 2020). "The Hindu Explains| What has the National Education Policy 2020 proposed?". The Hindu. ISSN 0971-751X.
8. Naidu, M. Venkaiah (8 August 2020). "The New Education Policy 2020 is set to be a landmark in India's History of Education". Times of India Blog.

*****